

















## श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के फैमिली एडाप्शन प्रोग्राम अंतर्गत घटौद में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



पायनियर संचादकाता ▲ रायपुर  
www.dailypioneer.com

श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस रायपुर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा ग्राम घटौद के शासकीय हाईस्कूल परिसर में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर

सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रियंका साहू, सहा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्रावणी आर, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुप्रिया सीनियर रेसीफेन्ट डॉ. भाव्या मेडीकल सेशल वर्कर मनोज साहू सहायक विकास साहू उर्मिला राजपूत साथ ही हाईस्कूल के प्रिसीपल मनोज जांगड़े सभी

शिक्षकगण व कक्षा नवमी व दसवीं के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में बालाजी मेडीकल कालेज के एमबीबीएस के बैच 2023 के विद्यार्थियों द्वारा नुकड़ नाटक के माध्यम से नशा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसके अंतर्गत नशे की बढ़ती परेशानी ने

के कारण परिवारिक विवाद व बढ़ते अपराध आदि को बताया गया सभी छात्र-छात्राओं ने ध्यान पूर्वक नुकड़ नाटक को देखा व आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में शासकीय हाईस्कूल के प्रिसीपल मनोज जांगड़े द्वारा विद्यार्थियों की प्रस्तुती की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों के

माध्यम से छात्र छात्राओं में सही गलत की पहचान होती है। वे अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों से भी इसके बारे में चर्चा करते हैं, जिससे कि कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार होते रहता है। अंत में डॉ. श्रावणी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया गया।

## रामकृष्ण केयर अस्पताल में एक 6 वर्षीय बच्ची का ऑपरेशन नवीनतम नेविगेशन तकनीक से किया गया



पायनियर संचादकाता ▲ रायपुर  
www.dailypioneer.com

विश्व स्तर पर 10000 बच्चों में से एक सुनने में अक्षम है। कॉक्टलर इम्प्लांट मूक-नधिर बच्चे की सुनने की शक्ति पुनर्नवीनित करने के लिए उसके अंदरूनी कान में उपकरण फिट करने की प्रक्रिया है। बच्चिं बच्चों के लिए रामकृष्ण के अस्पताल में पिछले साल 20 से अधिक मामले किए गए हैं, सभी मरीज का स्वरूप ठीक है।

रामकृष्ण केयर अस्पताल में एक 6 वर्षीय बच्ची का ऑपरेशन नवीनतम नेविगेशन तकनीक (स्मार्टेच) से किया गया था, जिसका उपयोग मध्य आयोग में पहली बार इस सर्जरी में किया गया है। इस डिवाइस के ऑप्टोट्रिलिया में विकसित किया गया है। यह उपकरण सर्जन को आंती कक्ष में ऑपरेशन के दौरान इम्प्लांट के सही लेसमेंट और कामकाज की नियरनी करने में सक्षम बनाता है, इसलिए शैत-प्रतिशत कार्यक्षमता पूर्ण सफल है। डॉ. सुरभि ने नवजात काल के दौरान बच्चों में श्रवण हानि का पता लगाने के महत्व पर जार दिया क्योंकि सर्जरी जीवन के बढ़ते वर्ष की शुरुआत में ही की जा सकती है। यह सर्जरी डॉ. सुरभि चोपड़ा चतुरप्रोहता (सलामीकार, रामकृष्ण केरार हॉस्पिटल, रायपुर), डॉ. हेतुपल पटेल (एचओडी, केम अस्पताल, मुंबई), जूडी पंडियूज (मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया से), डॉ. राजिव राज (भाराण और भाषा रोगविज्ञानी) और अनुज टंडन की टीम द्वारा की गई थी।

## आयुर्वेद, उपचार की प्राचीन और कारगर पद्धति : गौर

पायनियर संचादकाता ▲ ओपाल  
www.dailypioneer.com



वैद्य पंडित चंद्रशेखर तिवारी शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन कर प्रोफेक्टर

का कार्य कर रहे हैं। गौर ने शिविर में भाग लेने वाले नागरिकों से कहा कि हमें उपचार की प्राचीन पद्धति आयुर्वेद पर विश्वास करना चाहिए। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से रोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को स्थानीय तथा अधिक पेड़ नागरिकों से अधिक से उपचार कर ही थी। राजमंत्री ने कहा कि पर्याप्त और परोक्षकार करनेवालों के साथ अपने आप लोग जुड़ते जाते हैं। उन्होंने कहा कि नाड़ी

का अयोध्या नाग दहरा मैदान में आयोजित 3.4वें आयुर्वेदिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को स्थानीय तथा अधिक पेड़ नागरिकों से अधिक पेड़ नागरिकों का आप्राधी भी किया। कार्यक्रम में महापौर मलाया नाये ने कहा कि आयुर्वेद से उपचार के लिए लाता गया निःशुल्क शिविर सराहनीय है।

## होली क्रॉस इंग्लिश मीडियम स्कूल में साइंस एजीबिशन का आयोजन विज्ञान प्रौद्योगिकी से स्थायी भविष्य पर केंद्रित



पायनियर संचादकाता ▲ जशपुरगढ़  
www.dailypioneer.com

विद्यार्थियों की रचनात्मकता का प्रदर्शन इंग्लिश मीडियम स्कूल में कृश्वार को विज्ञान प्रदर्शनी (साइंस एजीबिशन) का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय विज्ञान और प्रौद्योगिकी से स्थायी भविष्य था, जिसमें विज्ञालय के कक्ष 6वीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी के क्रमांक तकनीकी जीवनी और प्रौद्योगिकी के स्थायी भविष्य की रचनात्मकता की बुनियादी उद्दिष्टाओं के कठम बढ़ाया जा सकता है।

अतिथियों और शिक्षकों की सराहना अम्बुज अतिथि डॉ. कमल किशोर प्रसाद ने छात्रों की मेहनत और उनके रचनात्मक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, यह प्रिसिपल विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे अपने नवाचारों को प्रस्तुत कर सकते हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सही उपयोग कर ही डॉ. राजमंत्री ने कहा कि पर्याप्त और परोक्षकार करनेवालों के साथ अपने आप लोग जुड़ते जाते हैं। उन्होंने कहा कि नाड़ी

विज्ञान और प्रौद्योगिकी का साधा यहा है, और युवाओं को इस दिशा में अपनी रचनात्मकता और नवाचार को आगे बढ़ाने की अवधिकता है। सर्सेनेवल भविष्य की नींव मजबूत तभी होगी जब हम विज्ञान का सही उपयोग करें। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले छात्रों ने विज्ञान विषयों पर आयोजित मॉडल प्रस्तुति किया, जिसमें सौर ऊर्जा, पानी का संरक्षण, पर्यावरणीय समस्याएं, और कृषि बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे विषय शामिल थे। छात्रों ने यह दिखाने के लिए एक ग्रामीणीकरण की रचनात्मकता की बुनियादी उद्दिष्टी को जारी किया।

प्रिसिपल सिस्टर नूतन एक्सा का आभार व्यक्त इस सफल आयोजन के अंत में विद्यालय की प्रिसिपल सिस्टर नूतन एक्सा को सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों की धन्यवाद कहा। यह प्रिसिपल विद्यार्थियों के प्रति उद्देश्य का अप्राप्य प्रतिक्रिया है। इस प्रकार, होली क्रॉस इंग्लिश मीडियम स्कूल की यह विज्ञान प्रश्नीकृति के लिए एक सीधी बढ़ावा देती है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों का स्थायी उपयोग संबंध हो सकता है।

कोशिश की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स्थायी उपयोग करना हो सकता है।

प्रतिक्रिया की ओर कैसे विज्ञान और पर्यावरण करके स





